Shri U. M. Trivedi: Nowhere in any part of India.

Shri Mehr Chand Khanna: I have just stated before the hon. House that I deal with the State Governments and not with the Housing Boards. For the village housing there are entirely separate schemes which have also progressed well.

Free Water and Electricity to Central Ministers

+
*394. Shri P. C. Borooah:
Shri M. L. Dwivedi:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri S. C. Samanta:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri P. R. Chakraverti:
Shri Raghunath Singh:
Shri Tyagi:
Shri Hari Vishnu Kamath:
Shri Indrajit Gupta:
Shri Surendra Pal Singh:
Shri Ram Sewak Yadav:

Will the Minister of **Works, Housing and Rehabilitation** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the move to restrict the free supply of water and electricity to the rent-free houses of Central Ministers to Rs. 250 per month each, has been abandoned;

(b) if so, the reasons for abandoning the scheme; and

(c) the present average monthly consumption of water and electricity per Minister's house?

The Minister of Works, Housing and Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): (a) and (b). The proposal to restrict free supply of water and electricity to the houses of the Central Ministers was dropped as the Government were advised that under provisions of the Salaries and Allowances of Ministers Act, 1952 such restriction could not be legally imposed.

(c) A statement showing the average monthly expenditure on water and electricity is placed on the Table of the House. *[Placed in Library, see No. LT-961/63].*

Shri P. C. Borooah: May I know under what circumstances this move was initiated and whether in the circumstances an amendment of the Act is considered desirable?

Shri Mehr Chand Khanna: I made a request to my colleagues that we should try, as far as possible, to curtail the expenditure. I issued that letter two or three months ago and since then the response has been very encouraging, fairly encouraging.

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं जानना चाहता हूं कि जो मंत्री महोदय प्रेजिडेंटस् एस्टट में रहते हैं उनके पानी और बिजली का किराया इसमें शामिल है या नहीं । उत्तर में यह भी नहीं बताया गया है कि जो बिजली के खर्च का स्टेटमेंट है उस में रिफरेजरेटरों, एअर-कंडिशनिंग, सिक्योरिटी लाइटिंग, आफिस की बिजली और दूसरे किस्म के जो खर्चे है वे इसमें शामिल हैं या नहीं । अगर वे शामिल नहीं हैं तो व खर्च क्या हैं ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : जहां तक प्रजिडेंटस एस्टेट का ताल्लुक है, वह तो एक अलाहदा चीज है और मेरे जनरल पूल में उसका सवाल नहीं आता है । लेकिन राष्ट्रपति ने मुझे हिदायत दी है कि मैं उन के तमाम मामले को दखूं और उनको राय दूं कि वहां कैसे हालात होने चाहियें, कुछ सीलिंग होनी चाहिये या नहीं । वह तो मैं देखूंगा । जहां तक मिनिस्टरों के बिलों का ताल्लुक है, उसमें एअर कंडिशनर भी शामिल है, रिफरेजरेटर शामिल है, सिक्योरिटी लाइट्स भी शामिल है, पेरीमीटर लाइट्स भी शामिल है, सब चीजें हैं । सर्वेन्ट्स क्वाटर्स भी शामिल हैं, मिनिस्टरों के घरों पर जो दफतर होते हैं वे भी शामिल हैं, जो सिक्योरिटी वाले आदमी होते हैं वे भी शामिल हैं । जनाब, मैं सिर्फ इतना अर्ज करना चाहता हूं कि हम ने अपने ऊपर एक वालेन्टरी कट

लगाया है, हम ने एक सेल्फ इम्पोज्ड लिमिटशन अपने ऊपर किया है । मैं चाहता हूं कि इसे एप्रिशिएट किया जाय कि हम इसे कम कर रहे हैं ।

Shrimati Savitri Nigam: It is seen from the statement that while in some cases the water bill is too low, it is very high in some other cases. What is the reason for it?

Shri Mehr Chand Khanna: I am not in a position to give the answer, because the reason can be advanced only by the hon. Minister concerned. As far as I am concerned, I can only say that the Salaries and Allowances of Ministers Act was passed by Parliament. Under that Act a Minister is entitled to free furnished residence, electricity and water. We are now trying to impose a cut upon ourselves; by cut I mean limitation so that we try to bring it down to as little as possible.

Shri Daji: What is the limitation?

Mr. Speaker: Order, order. Shri Samanta.

Shri S. C. Samanta: May I know whether some explanations from those hon. Ministers in whose houses electricity has been spent the most have come?

Shri Mehr Chand Khanna: There is no question of any explanation. It depends upon the size of the house, the number of security guards, the number of servants' quarters etc. All these things have to be taken into consideration. But what I wanted to tell the House and am placing before the House is that the hon. Ministers are co-operating with me and the expenditure is coming down.

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि गृह मंत्री जी ने यह एलान किया है कि चूंकि उन के हाउस का पानी और बिजली का बिल बढ़ गया है इस लिए छः महीने तक वे उसे अपने पास से देंगे, और अगर यह सही है तो इस तरह का आदर्श और किन किन मंत्रियों ने दिखलाया है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : यह बयान मैंने अखबारों में पढ़ा । मैं कल गृह मंत्री जी से मिला भी हूं, और उन्होंने यह चीज कही है । वह करने लगे हैं । उन्होंने कहा है कि जो खर्चा उन के ख्याल के मुताबिक ज्यादा हुआ है उसे वे अपनी जेब से देंगे । यह एक बड़ी नोबल मिसाल है और मैं समझता हूं कि मेरे दूसरे कलीग्ज उस को फालो करेंगे और उस पर अमल करेंगे ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि पिछले दिनों समाचारपत्रों में जो आंकड़े प्रकाशित हुए थे कि किस मिनिस्टर को कोठी पर कितना पानी और बिजली का खर्च आया है उन को देखने के बाद बिजली के मीटरों को पढ़ने वालों को इस प्रकार के कुछ निर्देश दिये गये हैं कि वे यह जाने कि कहीं मीटर की खराबी की वजह से तो यह रूपयों की तादाद ज्यादा नहीं हो गई है, और इस प्रकार से उन के उपर अनुचित दवाब डाल कर इस खर्चे के जो बिल हैं उन्हें कम कराने की कोशिश की जा रही है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : जहां तक इस गवर्नमेंट का ताल्लुक है उस का जो अमल है वह आम लोगों के सामने है । हमने कभी छिपाने की कोशिश नहीं की, पहली बात तो मैं आप की खिदमत में यह कहना चाहता हूं । दूसरी बात अर्ज करना चाहता हूं कि अगर मीटर गलत हैं तो एन० डी० एम० सी० के हैं और दुरुस्त हैं तो एन० डी० एम० सी० के हैं । हम तो बतौर सरकार एन० डी० एम० सी० को पानी और बिजली का किराया देते हैं ।

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : मेरा प्रश्न दूसरा था ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : I protest. आनरेबल मेम्बर ने हिन्दी में यह कहा, बल्कि उन्होंने यह इम्पलाई किया, कि शायद नाजायज

तौर पर दवाब डाला जा रहा है कि अगर मीटरों में यह चीज आई है तो उसे कम किया जाय। यह आपने कहा है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैंने यह पूछा है कि आप की ओर से इन मीटरों के पढ़ने वालों को कोई इस प्रकार के इंस्ट्रक्शन्स तो नहीं दिये गये हैं कि वे यह जानने का यत्न करें कि कहीं गलत मीटर की वजह से तो रेंट से ज्यादा नहीं लगाये गये हैं।

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैंने अर्ज किया है कि मीटर एन० डी० एम० सी० के होते हैं, गवर्नमेंट के नहीं होते हैं। जहां तक मेरा ख्याल है मीटर वह लगाते हैं, हम किराया देते हैं। जो बिजली और पानी सर्फ होती है माहवार उस का बिल आता है। यह पता लगे....

अध्यक्ष महोदय : आप ने तो कोई हिदायत नहीं दी है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : नहीं, हमने कोई हिदायत नहीं दी है।

श्री रामसेवक यादव : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो मंत्रियों के मकान हैं उनका मासिक किराया क्या आंका गया है ?

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल बिजली पानी का है, मकान के किराये का नहीं है।

Next question. Shri Heda.

Shri Indrajit Gupta: Sir, my name was also there.

Mr. Speaker: I know, but we are discussing the General Budget and every day that is being discussed.

श्री रामेश्वरानन्द : हमें सुन लेने दीजिए, त्यागी, तपस्वी मंत्रियों की बात भी हो जाने दिया कीजिए, एक आध मिनट ज्यादा दे दिया कीजिए।

श्री मेहर चन्द खन्ना : स्वामी जी का त्याग तो नजर आ गया है, स्वामी जी होने के बाद अब सयासत में आ गये।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं अपने वेतन का एक हिस्सा दे रहा हूं। आओ मैदान में, आओ मेरे मुकाबले में। मैं अपना सर्वस्व देता हूं, आओ मेरा मुकाबला करो। मैं ४०० रू० छोड़ता हूं, तुम छोड़ो अपना वेतन, करो एलान।

अध्यक्ष महोदय : ऐसा कहने की जरूरत नहीं है किसी को।

श्री रामेश्वरानन्द : उन्होंने कितना बड़ा हमला किया, आप ने उन को कुछ नहीं कहा। मैंने कुछ नहीं कहा। वह चाहें तो मेरा मुकाबला करें, वह क्या अपना वेतन छोड़ने के लिये तैयार हैं।

श्री कछवाय : मंत्री महोदय को इस प्रकार के शब्द नहीं कहने चाहिये थे।

Mr. Speaker: Order, order. Would he kindly resume his seat? That is what I am doing. I am asking both parties.

श्री कछवाय : वे अपने शब्द वापस लें।

अध्यक्ष महोदय : मैं निवेदन तो कर रहा हूं, लेकिन आप सुनने के लिये तैयार नहीं हैं। मैं निवेदन कर रहा हूं कि दोनों को यह नहीं कहना चाहिये था।

श्री रामेश्वरानन्द । मैं ने तो कुछ कहा नहीं।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने त्याग की बात कही तो उन्होंने कही। मैं दोनों को कह रहा हूं।

श्री रामेश्वरानन्द : जब उन्होंने हम पर हमला किया तो मैं ने कहा। मैं कहता हूं कि मैं १०० रू० देता हूं, चौथाई देता हूं। मैं तो यह कहता हूं कि मैं ४०० रू० देता हूं, तुम भी सारा दे दो।

Shri U. M. Trivedi: Everybody has got a right of repartee and I do not

blame the hon. Minister for having made that repartee. But then the hon. Minister wanted to compare the *tyaga* that Swamiji has done with the *tyaga* that he has done. Is he justified in doing that? Swami Rameshwaranand is not enjoying any benefit whatsoever from the Government in any manner. He has not taken even a house for himself. He has not taken even a telephone for himself. Probably the hon. Minister is not aware of this fact that Swamiji is living a saintly life. He ought not to have made those allegations against him. He should withdraw those words.

ग्रध्यक्ष महोदय : ग्रार्डर, ग्रार्डर । इस बात में किसी एक्साइटमेंट या जोश के ग्राने की जरूरत नहीं है । स्वामी जी ने जो त्याग किया है वह काबिले तारीफ है ग्रौर हम सब उसकी प्रशंसा करते हैं । इस बात में किसी को शंका नहीं है कि उन्होंने त्याग किया है । पर उन्होंने मिनिस्टरों के त्याग के बारे में कहा जो कि ठीक नहीं था मैं ने उसको बन्द किया ग्रौर कहा कि यह उचित नहीं है । मिनिस्टर साहब ने जो कहा कि ऐसे त्याग करने वालों को पार्लियामेंट में नहीं ग्राना चाहिए, यह भी उचित नहीं था ग्रौर नहीं कहना चाहिए था (*Interruptions*).

I am asking hon. Members on this side also not to do this.

श्री कछवाय : उनको ग्रपने शब्द वापस लेने चाहिएं ।

ग्रध्यक्ष महोदय : जब मैं कहता हूं एक बात जो कही गयी वह उचित नहीं है तो वह वापस लेने के ही बराबर है ।

श्री रामेश्वरानन्द : ग्रापने मुझे से कहा, लेकिन उन्होंने वापस नहीं लिया ।

श्री भागवत झा ग्राजाद : यह बिल्कुल ठीक कहा गया है । हम इसका समर्थन करते हैं ।

ग्रध्यक्ष महोदय : ग्रार्डर ग्रार्डर, ग्राप बैठ जाएं, वे चार ग्रादमी खड़े हुए ग्राप पांच खड़े हैं ।

The Minister of Finance (Shri Morarji Desai): May I submit that unnecessary excitement is created. (*Interruptions*). After what the hon. the Speaker said that on both sides this should not have been said, to have all this excitement, I do not think, is proper. When Swamiji referred to the tapaswi Ministers, my colleague got excited and said something else; he should not have got excited. I do say that. But, a person who gives up anything need not scoff at others. There is a difference between grahastis and sanyasis. All that ought to be borne in mind by sanyasis. If the whole world becomes sanyasis, there will be no place for sanyasis and there will be no place for grahastis. Therefore, this is not a matter on which we need get into an argument. (*Interruptions*).

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : ग्रध्यक्ष महोदय, मैं ग्रापसे एक व्यवस्था चाहता हूं । ग्रभी माननीय वित्त मंत्री ने यह कहा कि एक सन्यासी में ग्रौर एक गृहस्थी में ग्रन्तर होता है । एक सन्यासी के सम्बन्ध में निर्माण मंत्री श्री मेहर चन्द खन्ना ने जो शब्द कहे, वित्त मंत्री इन शब्दों को कह कर स्वामी जी के प्रति कहे गए शब्दों को धोने का यत्न कर रहे हैं । लेकिन पार्लियामेंट में ग्राने के पश्चात् एक सदस्य की स्थिति ग्रौर एक मिनिस्टर की स्थिति बराबर है । सन्यासी तो पहले से ही भारतवर्ष में राजनीति का पथप्रदर्शन करते ग्राए हैं, ग्राज कोई नई बात नहीं है । यह एक व्यक्तिगत ग्राक्षेप किया गया एक मिनिस्टर की ग्रोर से ग्रौर ग्रब उसको धोने का यत्न किया जा रहा है । मैं समझता हूं कि ग्रापके होते हुए इस प्रकार की बात उचित नहीं है । इस विषय में ग्रापको व्यवस्था देनी चाहिए . . .

एक माननीय सदस्य : इन शब्दों को वापस लिया जाना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर आर्डर । आप बैठेंगे या नहीं ।

श्री रामसेवक यादव : आप मेरी बात सुन लें ।

अध्यक्ष महोदय : मैं ने चार आदमियों की बात तो सुन ली और कुछ कहने की जरूरत नहीं है । यही ऐतराज किया गया है कि जो शब्द मिनिस्टर ने कहे हैं वे उचित नहीं है और यह मतालबा किया गया है कि उनको वापस लिया जाए; आप क्या कहना चाहते हैं ?

श्री रामसेवक यादव : मैं एक व्यवस्था चाहता हूं । क्या राजनीति में हिस्सा लेना ढोंग है जैसा कि मंत्री महोदय ने कहा है ?

अध्यक्ष महोदय : आर्डर आर्डर, बस अब आपकी तसल्ली हो गयी, यही व्यवस्था है ।

श्री त्यागी : मेरा एक प्वाइंट आफ आर्डर है । अपोजीशन मेम्बर साहब अपनी स्थिति खराब कर रहे हैं । उन्होंने एक जुमले पर ऐतराज किया है लेकिन उनका तो प्रिविलेज है ताने तिश्ने करने का और यह रिवाज चला आ रहा है । इसलिए मैं उनसे अपील करूंगा कि गो कि स्वामी जी के बारे में जो कहा गया है वह उचित नहीं लेकिन उनको इसका बहुत अपमान नहीं मानना चाहिए । उनको चाहिए कि मेहरबानी करके इस तरह की फिकरेबाजी की इजाजत दें वरना उनको ज्यादा दिक्कत पड़ जाएगी बजाय मिनिस्टरों के । (*Interruptions*).

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री योगेन्द्र झा : त्यागी जी ने कहा वह एक प्रकार की चेतावनी है । मैं इसके बारे में आपकी व्यवस्था चाहता हूं ।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य बैठ जाएं । मैं आगे चलना चाहता हूं, पर इस तरह आगे नहीं चल सकता । मुझे शोक के साथ यह कहना पड़ता है कि जब मैं ने कह दिया कि यह उचित नहीं है और ऐसा नहीं कहना चाहिए था, उसके बाद . . (*Interruptions*).

आर्डर, आर्डर ।

श्री कछवाय : ये शब्द वापस लिए जाए ।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, वापस लेने की जरूरत नहीं है । जब मैं ने कह दिया कि उचित नहीं है तो उसके बाद और किसी चीज की जरूरत नहीं है ।

Super Chambal Bhakra Grid

***395. Shri Heda:** Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state.

(a) whether Government have decided to create Super Chambal-Bhakra Grid,

(b) if so, the details thereof; and

(c) its main advantages?

The Minister of State in the Ministry of Irrigation and Power (Shri Alagesan): (a) The matter is under examination

(b) Does not arise.

(c) The main advantages are:

(i) an integrated system requires less generating capacity than that required by individual systems,

(ii) such a system requires less standby capacity than systems operating independently,

(iii) Thermal and nuclear power stations can be used more effectively in conjunction with hydro-electric plants, and

(iv) neighbouring systems can come to each other's assistance in times of emergency.

Shri Heda: May I know the area that will be covered by this grid and whether the nuclear power stations will form part of this grid?

Shri Alagesan: The Bhakra system is in the Punjab, and the Chambal system covers Rajasthan and a portion of Madhya Pradesh. The nuclear power station that will be established